

15/5/25 पत्रागली परा छुटी रादिनी खंय लं उनके - लविपत।
अप रवान नही जाये। खका- 2 कार मर- 2 मराम
लगावार् नार, किच्छ मरु पखित खली मर। रादिनी
का वाद पोरवी के लामा म ताम पोरवी
ताम हाजरी में खा विज मिया मला रें पत्रागली
पत्रागली सुमार खकार नंतर से काम की जाकर
कामिल खतर ही

Dejendra